(हिन्दी साप्ताहिक)

गूँज केसरी

RNI N0. - UTTHIN/2023/88849

वर्षः 04 अंकः 31 देहरादून, मंगलवार 17 नवम्बर 2026 मूल्य : 2 रुपये प्रति पृष्ठः 4

मुख्यमंत्री ने की सपरिवार जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की स्व-गणना

देहरादून (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में सपरिवार जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत डिजिटल माध्यम से स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की। मुख्यमंत्री ने स्वयं अपने परिवार से संबंधित आवश्यक विवरण ऑनलाइन दर्ज कर जनगणना प्रक्रिया में सहभागिता की। उन्होंने प्रदेशवासियों से भी इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना से प्राप्त जानकारी प्रदेश के भविष्य की विकास योजनाओं को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उत्तराखण्ड जैसे विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य में जनसंख्या के सटीक आंकड़ों का विशेष महत्व है। पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए



क्षेत्रवार जनसंख्या एवं स्थानीय आवश्यकताओं की विश्वसनीय जानकारी उपयोगी होती है। इससे विकास कार्यों की प्राथमिकताएं निर्धारित करने और संसाधनों का बेहतर उपयोग करने में सहायता मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना-2027 में डिजिटल तकनीक का उपयोग एक महत्वपूर्ण पहल है। ऑनलाइन स्व-गणना की सुविधा से नागरिक अपने परिवार का विवरण स्वयं दर्ज कर सकते हैं। इससे जनगणना प्रक्रिया में लोगों की सीधी भागीदारी सुनिश्चित होने के साथ ही सूचनाओं के संकलन में सुगमता आएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना में

- मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से डिजिटल स्व-गणना में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की
- उत्तराखण्ड की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप विकास योजनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण होंगे जनगणना के आंकड़े

दर्ज की जाने वाली प्रत्येक जानकारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रदेशवासियों से निर्धारित अवधि में स्व-गणना करने तथा जनगणना कार्य में लगे प्रगणकों को आवश्यक सहयोग प्रदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार की सहभागिता से जनगणना के आंकड़ों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना के माध्यम से प्राप्त आंकड़े आने वाले वर्षों में प्रदेश की विकास संबंधी आवश्यकताओं को समझने तथा योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तराखण्ड के नागरिक इस राष्ट्रीय अभियान में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत उत्तराखण्ड के गैर-हिमाच्छादित क्षेत्रों में 16 से 30 नवंबर, 2026 तक आधिकारिक पोर्टल se.census.gov.in के माध्यम से स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध है। इसके बाद 1 दिसंबर, 2026 से 4 जनवरी, 2027 तक प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर जनसंख्या गणना की जाएगी।

इस अवसर पर सचिव जनगणना श्री दीपक कुमार, निदेशक जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तराखण्ड श्रीमती इवा आशीष श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक श्री शैलेन्द्र सिंह नेगी, उप निदेशक श्री प्रवीण कुमार, श्री राजू कुमार बनवारी एवं सहायक निदेशक श्री संजीव कुमार उपस्थित रहे।

साइबर ठगों ने दो बुजुर्गों को लगाई चार लाख रुपये की चपत

देहरादून(नि०स०)। साइबर अपराधियों ने दो बुजुर्ग नागरिकों को अपना शिकार बनाते हुए चार लाख रुपये से अधिक की रकम ठग ली। पुलिस ने दोनों मामलों में संबंधित थानों में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहला मामला थाना राजपुर क्षेत्र का है। राजेश्वर नगर, सहस्त्रधारा रोड निवासी 77 वर्षीय चंद्र प्रकाश शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह मोबाइल पर पेटीएम का इस्तेमाल करते थे। जब एप में दिक्कत आई तो वे 27 सितंबर को अपने बैंक पहुंचे। वहां उन्हें पता चला कि 19 से 25 सितंबर के बीच उनके एचडीएफसी, इंडियन बैंक और केनरा बैंक के तीन खातों से किसी अज्ञात व्यक्ति ने 2.73 लाख रुपये निकाल लिए हैं।उन्होंने इसकी शिकायत 28 सितंबर को साइबर सेल में भी की थी। एसओ राजपुर पीडी भट्ट ने बताया मामला थाने पहुंचने पर शनिवार को केस दर्ज कर लिया गया है।वहीं, दूसरी घटना में 64 वर्षीय विजय पार्क, बल्लूपुर रोड निवासी जसपाल सिंह राणा ने बसंत पुलिस को बताया कि पांच नवंबर को उनके इंडियन ओवरसीज बैंक, चंडीगढ़ शाखा के खाते से धोखाधड़ी करते हुए 1.31 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए गए हैं। इसके बाद उन्होंने साइबर पोर्टल पर शिकायत की। एसओ अमित शर्मा ने बताया कि शनिवार को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

घर में घुसकर महिलाओं और बच्चियों पर लाठी-डंडों हमला

देहरादून(ब्यूरो)। शहर कोतवाली क्षेत्र के चुक्खूवाला इलाके में दिनदहाड़े घर में घुसकर दर्जनभर हमलावरों ने लाठी-डंडों, लोहे की रॉड और धारदार हथियारों से एक परिवार पर हमला कर दिया। जिसमें महिलाओं, बच्चियों और पुरुषों को चोटें आई हैं। कोतवाली पुलिस ने मामले में नामजद आरोपियों समेत अन्य के खिलाफ शनिवार को केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। शहर कोतवाल केसी भट्ट ने बताया कि चुक्खूवाला निवासी पूजा सोनकर ने तहरीर दी। बताया कि बीते पांच नवंबर की सुबह लगभग 9ः15 बजे कबीर, विनिल, कार्तिक और उनके 6-7 अन्य साथी जबरन उनके घर में घुस आए। आते ही आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने घर की महिलाओं के साथ मारपीट की और छोटी-छोटी नाबालिग बच्चियों को भी बेरहमी से पीटा। हमले में पूजा के बेटे आयुष का सिर फट गया, जिसमें चार टांके आए हैं। देवर सचिन और पति रवि के सिर और मुंह पर भी गंभीर चोटें आई हैं। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उनका मंगलसूत्र भी गायब हो गया। चीख-पुकार सुनकर जब आसपास के लोग बीच-बचाव के लिए दौड़े और भीड़ इकट्ठा होने लगी तो आरोपी घबरा गए। वे अपने दो दोपहिया मौके पर ही छोड़कर भाग निकले। शहर कोतवाल केसी भट्ट ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर तथ्यों के आधार पर जांच की जा रही है।

मुख्य सचिव ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर प्रदेशवासियों के सुखी, स्वस्थ एवं समृद्ध जीवन की कामना की

देहरादून(नि०स०)। मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन ने छठ महापर्व के अवसर पर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर समस्त प्रदेशवासियों के सुख, शांति, आरोग्यता एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने इस पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छठ पूजा लोक आस्था, श्रद्धा, तपस्या एवं प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। सूर्य उपासना का यह पर्व हमें प्रकृति के संरक्षण, स्वच्छता, अनुशासन, संयम और सामाजिक एकता की प्रेरणा देता है। उन्होंने कामना की कि भगवान सूर्यदेव एवं छठी मैया के आशीर्वाद से सभी के जीवन में सुख-समृद्धि एवं खुशहाली बनी रहे और



उत्तराखण्ड निरंतर विकास एवं उन्नति के नए आयाम स्थापित करे।

बिजली-पानी के बढ़ते बिलों के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

विकासनगर(नि०स०)। बिजली की बढ़ती दरों, स्मार्ट मीटर, ग्रामीण क्षेत्रों में पानी के बढ़ते बिल और विकासनगर में पेयजल व्यवस्था के निजीकरण के विरोध में कांग्रेस ने रविवार को हाईवे ग्राउंड में धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर बुनियादी सुविधाओं को निजी कंपनियों के हवाले कर जनता पर आर्थिक बोझ डालने का आरोप लगाया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री नवप्रभात ने कहा कि विकासनगर की बुनियादी सुविधाओं को निजी कंपनियों के हवाले करने और जनता पर आर्थिक बोझ डालने की कोशिशों का कांग्रेस विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि विकासनगर में पेयजल और सीवर लाइन जैसी बुनियादी



सुविधाएं उनके पिता ब्रह्मदत्त ने गुलाब सिंह के सहयोग से उपलब्ध कराई थीं।

आज क्षेत्र की स्थिति देखकर उन्हें चिंता होती है। नवप्रभात ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पानी के बिल लगातार बढ़ रहे हैं। स्मार्ट मीटर के माध्यम से उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ाया जा रहा है। विकासनगर की सड़कों की स्थिति भी चिंताजनक है। पेयजल व्यवस्था के निजीकरण और डाकपत्थर से जुड़े मुद्दों पर भी कांग्रेस जनता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर निजी कंपनियों को सौंपी गई व्यवस्थाओं को फिर से सरकारी नियंत्रण में लाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन शहर अध्यक्ष विकास शर्मा ने किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष संजय किशोर, ब्लॉक अध्यक्ष अभिनव ठाकुर, हरबर्टपुर अध्यक्ष आशीष पुंडीर, नगर पालिका अध्यक्ष धीरज बॉबी नौटियाल, संजय जैन, विपुल जैन और शमी प्रकाश सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय..



उनका अपना पक्ष है

इस किताब के जरिए ऐसे व्यक्ति का पक्ष सामने आया है, जो ऐतिहासिक संयोग के कारण भारतीय राजनीति का एक केंद्र बन गईं। और जो उस परिवार से संबंधित रहीं, जिसकी दशकों तक अहम भूमिका रही है। सोनिया गांधी की आत्मकथा व्यक्तिगत या पारिवारिक दायरे से आगे जाते हुए उन कई प्रकरणों को भी छूती है, जो पिछले लगभग छह दशक में विवादित एवं बहुचर्चित रहे हैं। ऐसे में इस किताब पर दूसरे हलकों से प्रतिक्रिया आना या वैकल्पिक कथा पेश किया जाना स्वाभाविक ही है। अतः कुछ मामलों को लेकर राजनीतिक पारा चढ़ा है, तो उसे आम राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा मान कर नजरअंदाज कर दिया जाना चाहिए। इसलिए कि इस किताब का महत्त्व कहीं और है। इसके जरिए एक ऐसे व्यक्ति का पक्ष सामने आया है, जो ऐतिहासिक संयोग के कारण निजी दायरे से निकल कर भारतीय राजनीति का एक केंद्र बन गईं। उस व्यक्ति का, जो उस परिवार से संबंधित रहीं, जिसका दशकों तक इस देश का सियासी रूप ढालने में निर्णायक योगदान रहा है। भारत में इस हैसियत में रहे व्यक्तियों के बारे में तो सैकड़ों किताबें लिखी गई हैं, लेकिन तत्कालीन घटनाओं पर अक्सर उनका अपना पक्ष सामने नहीं आया। जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा 1936 में प्रकाशित हुई, तब देश की बागडोर उनके हाथ में नहीं थी। नतीजतन, आजादी के बाद आरंभिक वर्षों में जो कुछ हुआ, उस पर लिखी गईं अनगिनत किताबों से जानकारियां तो खूब उपलब्ध हैं, लेकिन उन अहम घटनाओं के बारे में नेहरू का अपना पक्ष हमें मालूम नहीं है। यही बात महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अन्य प्रधानमंत्रियों पर भी लागू होती है। इंदर कुमार गुजराल ने जरूर आत्मकथा लिखी, लेकिन उनका कार्यकाल इतिहास में महज एक क्षेपक की तरह दर्ज है। पी.वी. नरसिंह राव ने अपनी कहानी उपन्यास की शक्ल में लिखी, इसलिए यह तय करना कठिन बना रहा है कि उसमें कितना तथ्य और कितनी किस्सागोई है। इस पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए सोनिया गांधी का अपना, और प्रकारांतर में गांधी परिवार का पक्ष रखना महत्त्वपूर्ण दस्तावेज बन जाता है। इससे मालूम हुआ है कि गुजरे छह दशकों की घटनाओं को इस परिवार के अंदर कैसे देखा गया। बेशक, उसे देखने के बहुतेरे दूसरे स्रोत और नजरिए भी उपलब्ध हैं। मगर इतिहास सभी पक्षों के दृष्टिकोण को शामिल करते हुए ही वस्तुगत रूप ग्रहण करता है।

पहाड़ों में मुनाफ़े की उड़ान और सुरक्षा रामभरोसे!

रजनीश कपूर

2015 से 2025 के बीच चारधाम सेक्टर में आठ दुर्घटनाएं और एक गंभीर घटना हुईं, जिनमें से पांच घातक थीं। इनमें से अधिकांश का कारण मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन न करना, खराब मौसम में निर्णय लेना और ऊंचाई संबंधी चुनौतियां थीं। 2025 में ही कई हादसे हुए, जिनमें गौरीकुंड और उत्तराकाशी के क्रैश प्रमुख हैं। उत्तराखंड के चमोली जिले में 30 अक्टूबर 2026 को बद्रीनाथ से देहरादून के सहस्त्रधारा हेलीपैड के लिए उड़ान भरने वाला ट्रांस भारत एविएशन का हेलीकॉप्टर VT-HCX जोशीमठ के पास चाई गांव-हाथी पर्वत क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें दिल्ली के रहने वाले पायलट कैप्टन हिमांशु सभरवाल समेत पांच कर्नाटक के यात्रियों की मौत हो गई, जिनमें बेंगलुरु पुलिस के इंस्पेक्टर अरुण सालुंके भी शामिल थे। ऑरेंज अलर्ट और खराब मौसम के बीच उड़ान भरने वाला यह विमान संपर्क टूटने के तुरंत बाद पहाड़ी से टकराया। यह हादसा चारधाम क्षेत्र में हो रहे हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं की श्रृंखला का हिस्सा है और पहाड़ी उड़ानों की मूलभूत कमजोरियों को उजागर करता है। पहाड़ों में हेलीकॉप्टर उड़ानें स्वाभाविक रूप से जोखिम भरी होती हैं। संकरी घाटियां, अचानक बदलता मौसम, घना बादल, तेज हवाएं और ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी पायलट के निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करती है। चारधाम यात्रा में हेलीकॉप्टर सेवाएं लोकप्रिय हो गई हैं क्योंकि वे तीर्थयात्रियों को कठिन पैदल यात्रा से बचाती हैं। लेकिन यह सुविधा सुरक्षा के मूल्य पर आ रही है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार 2015 से 2025 के बीच चारधाम सेक्टर में आठ दुर्घटनाएं और एक गंभीर घटना हुईं, जिनमें से पांच घातक थीं। इनमें से अधिकांश का कारण मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन न करना, खराब मौसम में निर्णय लेना और ऊंचाई संबंधी चुनौतियां थीं। 2025 में ही कई हादसे हुए, जिनमें गौरीकुंड और उत्तराकाशी के क्रैश प्रमुख हैं। जोशीमठ हादसे के संभावित कारणों में मौसम सबसे अहम माना जा सकता है। भारतीय मौसम विभाग ने चमोली में तूफान, बारिश और तेज हवाओं का ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। उड़ान भरते समय स्थानीय मौसम भले ही साफ रहा होगा, लेकिन घाटी में बादल और वर्षा अचानक छा गए होंगे। पहाड़ी उड़ानों में नियंत्रित उड़ान में भू-भाग से टकराना (CSÙIT) एक सामान्य कारण होता है, जब पायलट दृश्यता खोकर गलत दिशा में चला जाता है। अन्य संभावित कारणों में पायलट का अनुभव, विमान की रखरखाव स्थिति या ऑपरेटर द्वारा जल्दबाजी में उड़ान भरने का दबाव शामिल हो सकता है। एएआईबी जांच में उपलब्ध उपकरणों की जांच करेगा (हेलीकॉप्टर में आमतौर पर ब्लैक बॉक्स नहीं होता), पायलट का उड़ान इतिहास, रखरखाव रिकॉर्ड और चारधाम संबंधी डीजीसीए नियमों का अनुपालन देखा जाएगा। जांच में दोषी कौन साबित होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं। एएआईबी का उद्देश्य दोषारोपण नहीं, बल्कि कारण पता कर भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। फिर भी व्यावहारिक रूप से पायलट की निर्णय लेने की गलती, ऑपरेटर की नियामकीय लापरवाही या दोनों सामने आ सकते हैं। फ़िलहाल उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने ट्रांस भारत एविएशन के पूरे बेड़े को एहतियातन ग्राउंड कर दिया है। पूर्व में इस कंपनी के पायलटों के लाइसेंस खराब मौसम में उड़ान भरने पर निलंबित हो चुके हैं और आपातकालीन लैंडिंग की घटनाएं भी रही हैं। यदि जांच में SOP उल्लंघन या मुनाफ़े के दबाव में उड़ान साबित हुई, तो ऑपरेटर और संबंधित प्रबंधन जिम्मेदार ठहराए जा सकते हैं। भारत में निजी हेलीकॉप्टर ऑपरेटर चारधाम जैसे क्षेत्रों में नियम-कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए देखे गए हैं। एएआईबी पुरानी रिपोर्टों में स्पष्ट हुआ है कि अधिकांश हादसे SOP का पालन न करने से हुए। फर्जी फ्लाइट लॉग, पायलटों के ड्यूटी घंटों की अनदेखी, खराब मौसम में उड़ान और अतिरिक्त यात्राओं के लिए नकद लेन-देन जैसी शिकायतें आम रही हैं। 2025 के गौरीकुंड क्रैश में आर्यन एविएशन पर SOP उल्लंघन का आरोप लगा और उसके संचालन निलंबित किए गए। डीजीसीए ने कई बार ऑडिट किए, जुर्माने लगाए और कुछ ऑपरेटरों को अस्थायी रूप से रोका, लेकिन ये कदम अधिकतर हादसों के बाद प्रतिक्रियात्मक रहे हैं। मुनाफे की होड़ में यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए नियमों को ताक पर रखा जाता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए इस मामले में ढीले साबित हो रहे हैं क्योंकि नियामक ढांचा काफ़ी हद तक खंडित है। डीजीसीए राष्ट्रीय स्तर पर लाइसेंसिंग और नियम बनाने वाला निकाय है, जबकि उत्तराखंड में उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण दैनिक समन्वय संभालता है। गौरतलब है कि संसदीय स्थायी समिति ने भी इस क्षेत्राधिकारिक अस्पष्टता को रेखांकित किया है कि डीजीसीए निरंतर और सक्रिय पर्यवेक्षण नहीं करता। पर्वतीय उड़ानों के लिए पर्याप्त हिल-फ्लाइंग अनुभव, मौसम निगरानी और आपातकालीन लैंडिंग स्थलों की कमी बनी हुई है। एएआईबी ने 50 घंटे की पर्यवेक्षित हिल उड़ान की सिफारिश की है, लेकिन इसका क्रियान्वयन कमजोर रहा है। परिणाम यह है कि हादसे होते रहते हैं और केवल अस्थायी ग्राउंडिंग या सर्कुलर जारी करके मामला ठंडा कर दिया जाता है। निजी चॉपर ऑपरेटरों द्वारा केवल मुनाफे के बारे में सोचना और यात्रियों की सुरक्षा के साथ समझौता करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं। चारधाम यात्रा आध्यात्मिक है, लेकिन यह व्यावसायिक अवसर भी बन गई है। जब ऑपरेटर खराब मौसम की चेतावनी के बावजूद उड़ान भरते हैं या पायलटों पर अतिरिक्त सॉर्टी का दबाव डालते हैं, तो वे जानबूझकर जोखिम बढ़ा रहे होते हैं। यात्रियों को तीर्थ यात्रा' का आकर्षण दिखाकर महंगे टिकट बेचे जाते हैं, लेकिन उनके जीवन की कीमत मुनाफे के आगे नहीं आंकी जाती। सुरक्षा एक समझौता नहीं, अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। जोशीमठ हादसा एक और चेतावनी है। एएआईबी की विस्तृत रिपोर्ट आने तक निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी, लेकिन पैटर्न साफ है। पहाड़ी उड़ानों के लिए सख्त मौसम प्रोटोकॉल, अनुभवी पायलटों की अनिवार्य शर्त, रियल-टाइम निगरानी और प्रभावी दंड व्यवस्था जरूरी है। मंत्रालय और डीजीसीए को प्रतिक्रियात्मक रवैये से हटकर सक्रिय नियामक बनना होगा। अन्यथा मुनाफे की ये उड़ानें और जानें लेती रहेंगी। यात्रा की सुविधा महत्वपूर्ण है, लेकिन वह जीवन की कीमत पर नहीं हो सकती।

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और सीएम के नेतृत्व में उत्तराखंड कर रहा विकास एवं सुशासन के नए आयाम स्थापित : रेखा आर्या

सोमेश्वर विधानसभा के स्याहीदेवी मंडल के रमड़ा, डांगीखोला, गुरना एवं कयाला शक्ति केंद्रों में आयोजित हुए सम्मेलन, भाजपा ने शक्ति केंद्र सम्मेलनों के जरिए तेज की आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी

देहरादून(नि०स०)। राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत सोमेश्वर विधानसभा के स्याहीदेवी मंडल के शक्ति केंद्र रमड़ा, डांगीखोला, गुरना एवं कयाला में शक्ति केंद्र सम्मेलनों का आयोजन किया गया। इन सम्मेलनों में कैबिनेट मंत्री और क्षेत्रीय विधायक रेखा आर्या ने प्रतिभाग कर पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों के साथ संवाद किया। इस दौरान प्रदेश की 26 वर्षों की विकास यात्रा, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।



कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि उत्तराखंड की 26 वर्षों की विकास यात्रा हमारे पूर्वजों के सपनों, राज्य आंदोलनकारियों के संघर्ष और प्रदेशवासियों के संकल्प का परिणाम है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है।उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की प्राथमिकता समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, बिजली, महिला सशक्तिकरण, बाल विकास, युवाओं के रोजगार एवं स्वरोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों में सरकार द्वारा निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। सरकार की योजनाओं के माध्यम से गांव-गांव तक विकास की रोशनी पहुंच रही है और आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

रेखा आर्या ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों को प्रत्येक गांव, बूथ और परिवार तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है।कार्यकर्ताओं का समर्पण, जनता के बीच निरंतर संपर्क और सरकार के कार्यों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

कैबिनेट मंत्री ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर कहा कि चुनाव केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि प्रदेश के विकास और जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का अवसर है। इसके लिए अभी से संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा जनता के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की मेहनत के बल पर भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में भी ऐतिहासिक विजय हासिल करेगी।सम्मेलनों के दौरान संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने, बूथ स्तर पर पार्टी की पहुंच मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर जुटने का आह्वान भी किया गया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, स्याहीदेवी मंडल अध्यक्ष गणेश जलाल, सुंदर राणा, पूर्व मंडल अध्यक्ष देवेंद्र नयाल, वीरेंद्र चिलवाल, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष हरीश बिष्ट, विधायक प्रतिनिधि भुवन जोशी, नवीन आर्या, आशु बिष्ट (पहाड़ी आमा), राहुल खोलिया, भूपेंद्र भोज, गोपाल खोलिया, प्रकाश डांगी, अर्जुन बिष्ट, हेम चंद जोशी, ललित तिवारी, नरेंद्र बिष्ट, कमल गिरी, जोगा डांगी, गणेश अधिकारी, रोहित रावत, बहादुर सिंह बिष्ट, प्रकाश जीना सहित पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता, मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।



कॉस्मेटिक सर्जरी पर श्रुति हासन का बेबाक बयान, शराब की लत पर कहा- आठ साल तक नहीं पी एक बूंद

अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो डबल डेट में बातचीत के दौरान कही। कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती।

श्रुति ने कहा, मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी... जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे।

उन्होंने आगे कहा कि हर किसी की अपनी पसंद और अपनी जिंदगी है। किसी को भी अपने शरीर के साथ क्या करना है, यह तय करने का पूरा अधिकार है। उन्हें सिर्फ इस बात से परेशानी है कि लोग अपनी पसंद के बारे में सच बोलने से क्यों बचते हैं।

अभिनेत्री ने कहा, सबकी मर्जी, खुद की मर्जी। मुझे इसके बारे में झूठ बोलने की कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन मैं इसे बढ़ावा भी नहीं देना चाहती।

बातचीत के दौरान श्रुति ने अपनी जिंदगी के एक निजी पहलू पर भी बात की। उन्होंने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब नहीं पी थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रुति ने कहा, मैंने हमेशा खुलकर कहा है कि शराब मेरे लिए अच्छी नहीं है। अब मैं इसे लेकर बहुत सावधान रहती हूं। फिलहाल मैं इसे संभालने की कोशिश के सफर में हूं।

श्रुति हासन दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर में हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अभिनय के अलावा वह संगीत में भी रुचि रखती हैं और एक गायिका के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।

दिलजीत दोसांझ के अहमदाबाद कॉन्सर्ट पर नई पाबंदियों की मांग, पटियाला पेग समेत 4 गाने नहीं गाने को कहा

पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। गुजरात के अहमदाबाद में 21 नवंबर को होने वाले उनके लाइव कॉन्सर्ट से पहले जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कई पाबंदियां लगाने की मांग की है। अधिकारी ने दिलजीत से शराब, नशे और हिंसा को बढ़ावा देने वाले चार गाने नहीं गाने को कहा है। इसके अलावा कॉन्सर्ट में तेज आवाज, चमकती लाइटों और बच्चों को स्टेज पर बुलाने को लेकर भी चिंता जताई गई है। पुलिस कमिश्नर को लिखे पत्र में चार गानों का खास तौर पर जिक्र किया गया है। इनमें पटियाला पेग, 5 तारा ठेके, जेब विचो फीम और जट्ट फायर करदा शामिल हैं। बाल संरक्षण अधिकारी का कहना है कि इन गानों के बोल में शराब, अफीम, नशे और हथियारों का जिक्र है, जिसका बच्चों और युवाओं पर गलत असर पड़ सकता है। इन गानों को बदले हुए बोल के साथ भी नहीं गाया जाना चाहिए। वहीं, दिलजीत 15 नवंबर को इंदौर में भी परफॉर्म करने वाले हैं। उनके इस कॉन्सर्ट से पहले शहर में तीन बैंकों और मेयर सेक्रेटेरिएट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई है। ईमेल पंजाबी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में लिखे गए हैं। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं।

करियर की शुरुआत में डबल रोल निभाने में क्या आई चुनौती, शनाया कपूर ने बताया

अभिनेत्री शनाया कपूर ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क सीरीज में अपने करियर की शुरुआत में ही डबल रोल निभाने की चुनौतियों के बारे में बताया। अभिनेत्री ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए बताया कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें अपनी एक्टिंग की क्षमताओं को और बेहतर ढंग से परखने का मौका दिया, जबकि शूटिंग के दौरान उन्हें कई मुश्किल चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। शनाया ने सोशल मीडिया पर फिल्म निर्माता करण जौहर को धन्यवाद दिया कि उन्होंने उन्हें डबल रोल निभाने का मौका दिया, जिससे उन्हें अपनी एक्टिंग के अलग-अलग पहलुओं को दिखाने का अवसर मिला। अभिनेत्री ने निर्देशक रीमा सेन का भी आभार जताया, जिन्होंने उन्हें अपने क्रिएटिव सुझाव साझा करने की पूरी छूट दी।

शनाया ने उन मुश्किल एक्शन और अंडरवॉटर सीन्स के बारे में भी बताया, जिन्हें करना उनकी सोच से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने मुश्किल पलों में मार्गदर्शन और सहयोग देने के लिए एक्शन टीम और अंडरवॉटर टीम को धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने कहा कि शूटिंग के दौरान कुछ दिन बहुत कठिन थे, लेकिन उनके आसपास मौजूद लोगों के भरोसे और समर्थन ने उन्हें इन चुनौतियों से पार पाने में मदद की। सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स (पर्दे के पीछे की) तस्वीरें साझा करते हुए आंखों की गुस्ताखियां फेम अभिनेत्री ने लिखा, यह शो मेरे लिए सब कुछ है, और यह पूरी शानदार, बेहतरीन और कमाल की टीम के बिना मुमकिन नहीं हो पाता। मैं करण जौहर को धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्होंने मुझे इतनी खास फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का मौका दिया। मेरे करियर की शुरुआत में ही मुझे डबल रोल निभाने का अवसर मिला, जिससे मैं एक अभिनेत्री के तौर पर अपनी रेंज दिखा सकी। मुझ पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद। उम्मीद है कि मैं आपको गौरवान्वित कर पाऊंगी। उन्होंने कहा कि एक्शन डायरेक्टर बंटी सर से लेकर सुकेश सर नेतृत्व वाली टीम तक आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। आपने मुझे उन सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जहां तक पहुंचने के बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था। कुछ दिन बहुत मुश्किल थे, और अगर आप लोगों को मुझ पर भरोसा न होता, तो मैं इनमें से कुछ भी नहीं कर पाती। सबसे चुनौतीपूर्ण अंडरवॉटर शॉट्स के दौरान आपने मेरा हाथ थामे रखा। धन्यवाद। उन्होंने आगे कहा, पूरी क्रू टीम का धन्यवाद—इस सीरीज की शूटिंग करना काफी चुनौतीपूर्ण था, और मुझे पता है कि हर दिन, हर मिनट और हर सेकंड बहुत अहम था। आप सभी के बिना यह मुमकिन नहीं हो पाता। शनाया ने सभी से शो देखने की अपील की और लिखा, कृपया कल जियोहॉटस्टार पर हमारा शो स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क' जरूर देखें। इसे आप लोगों के लिए बहुत मेहनत, खून-पसीना और आंसुओं (सचमुच!) के साथ बनाया गया है। आप सभी को बहुत प्यार। स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क 2012 की कैंपस-रोमांस फ्रेंचाइजी को एक सस्पेंस से भरी मर्डर मिस्ट्री के रूप में पेश करती है। इस सीरीज के साथ शनाया कपूर ओटीटी (ओटीटी) पर डेब्यू कर रही हैं, जिसमें वह जुड़वां बहन आयशा और अदिति मलिक के डबल रोल में नजर आएंगी। करण जौहर द्वारा प्रोड्यूस की गई यह हिंदी थ्रिलर सीरीज 13 नवंबर को जियोहॉटस्टार पर रिलीज होगी।





दिल्ली क्राइम सीजन 3 को 1 साल पूरा, रसिका दुग्गल बोलीं- ये शो मेरे दिल के बेहद करीब है

बॉलीवुड एक्ट्रेस रसिका दुग्गल की क्राइम-ड्रामा वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन-3 ने अपनी रिलीज के एक साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेत्री ने सीरीज को लेकर बताया कि यह उनके दिल के बेहद करीब है। उन्होंने कहा, दिल्ली क्राइम के जरिए मुझे ये जानकर बहुत अच्छा लगा कि कहानी हमारी असल जिंदगी से जुड़ी है। अगर कहानियों को सच्चाई और ईमानदारी से दिखाया जाए, तो वो देश की सरहदें पार करके दुनियाभर के लोगों से जुड़ सकती हैं। शो को जो प्यार और सम्मान मिला है, जिसमें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड भी शामिल है, वो मेरे लिए बहुत हौसला बढ़ाने वाला रहा है। सीजन 3 के एक साल बाद, मैं बहुत खुश और आभारी हूं कि मैं तीनों सीजन का हिस्सा रही और मैंने नीति सिंह को हर सीजन में आगे बढ़ते हुए देखा। उन्होंने आगे कहा, मुझे दिल्ली क्राइम की टीम के साथ काम करके बहुत अच्छा लगता है। ये सभी बहुत खास और अच्छे लोग हैं। मुझे उम्मीद है कि हम आगे भी साथ में काम करते रहेंगे।

वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 में रसिका दुग्गल ने पुलिस अधिकारी नीति सिंह का दमदार किरदार निभाया था। उनके इस सीजन के सफर में एक कठिन और पेचीदा मामले के साथ-साथ उनके निजी जीवन के संघर्ष और ट्रॉमा को भी बहुत खूबसूरती से दिखाया गया था।

यह सीजन मुख्य रूप से मानव तस्करी और महिला/बाल तस्करी के एक बड़े और खतरनाक रैकेट पर आधारित है। कहानी की शुरुआत असम में एक ट्रक और उससे जुड़े मामलों की छानबीन से होती है, जो बाद में दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करती है। इसमें हुमा कुरैशी के अभिनय को भी काफी सराहा गया है।

यह सीरीज भावनात्मक रूप से झकझोर देने वाली और पुलिस की जांच पर आधारित एक बेहतरीन सस्पेंस थ्रिलर है। इस क्राइम-थ्रिलर सीरीज का निर्देशन तनुज चोपड़ा ने किया है। सीरीज में रसिका के साथ-साथ शेफाली शाह (डीआईजी वर्तिका चतुर्वेदी), हुमा कुरैशी (खतरनाक विलेन बड़ी दीदी), राजेश तैलंग और सयानी गुप्ता अहम भूमिकाओं में हैं।

मां धारी देवी मंदिर के समीप बनेगी आधुनिक दो मंजिला पार्किंग

• करीब 100 वाहनों की क्षमता वाली पार्किंग के लिए 0.14 हेक्टेयर भूमि चिह्नित, भूमि हस्तांतरण और तकनीकी औपचारिकताओं की प्रक्रिया गतिमान
• मुख्यमंत्री घोषणा के तहत आगे बढ़ रही परियोजना, सचिव आवास एवं राज्य संपत्ति डॉ. आर. राजेश कुमार के निर्देशन में चल रही कार्यवाही



देहरादून (ब्यूरो)। उत्तराखंड के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। इसी क्रम में पौड़ी जनपद स्थित प्रसिद्ध मां धारी देवी मंदिर के समीप आधुनिक दो मंजिला पार्किंग विकसित करने की योजना पर कार्यवाही आगे बढ़ाई जा रही है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और चारधाम यात्रा के दौरान वाहनों की अधिक आवाजाही को देखते हुए प्रस्तावित पार्किंग से मंदिर क्षेत्र में यातायात एवं वाहन पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत धारी देवी, श्रीनगर में पार्किंग निर्माण की यह योजना प्रस्तावित है। परियोजना के लिए भूमि चिह्नीकरण एवं भू-सर्वेक्षण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। सचिव आवास एवं राज्य संपत्ति डॉ. आर. राजेश कुमार के निर्देशन में परियोजना से संबंधित प्रशासनिक एवं तकनीकी औपचारिकताओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण पौड़ी द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार पार्किंग निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि चिह्नित की गई है।

प्रस्तावित पार्किंग के निर्माण के लिए ग्राम कलियासौड़, पट्टी चलणल्यूं, तहसील श्रीनगर में कुल 0.14 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है। यह भूमि ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग के बाईं ओर श्रीनगर जल विद्युत परियोजना के जलाशय की डाउन साइड टर्निंग साइट के समीप स्थित है। मंदिर के निकट होने के कारण यह स्थल पार्किंग निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है।

चिह्नित भूमि का जीआईएस के माध्यम से भू-सर्वेक्षण भी कराया जा चुका है। सर्वेक्षण के अनुसार निर्धारित शर्तों के अधीन भूमि पार्किंग निर्माण के लिए उपयुक्त पाई गई है। प्रस्तावित योजना के तहत लगभग 20 मीटर म 70 मीटर क्षेत्र में दो मंजिला पार्किंग विकसित की जाएगी, जिसमें करीब 100 ईसीएस (इक्विवेलेंट कार स्पेस) वाहनों की पार्किंग क्षमता होगी।

परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए कार्यदायी संस्था के चयन की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा रही है। जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण पौड़ी द्वारा कार्यदायी संस्था नामित किए जाने के संबंध में सचिव, आवास, उत्तराखंड शासन को प्रेषित किया गया है। कार्यदायी संस्था नामित होने के बाद प्रस्तावित स्थल का आर्किटेक्चरल डिजाइन तैयार कराया जाएगा। इसके उपरांत जीआईएस के निर्देशों के अनुरूप मान्यता प्राप्त स्ट्रक्चरल इंजीनियर से पार्किंग का संरचनात्मक डिजाइन तैयार कराया जाना प्रस्तावित है, ताकि निर्माण में तकनीकी मानकों, मजबूती एवं सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जा सके। परियोजना के लिए चिह्नित भूमि वर्तमान में ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-07 से लगी हुई है। अभिलेखों में यह भूमि श्रीनगर जल विद्युत परियोजना के नाम दर्ज है तथा वर्तमान में इसका प्रबंधन अलकनंदा हाइड्रो पावर कंपनी लिमिटेड, श्रीनगर द्वारा किया जा रहा है। भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी करने के लिए संबंधित परियोजना से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त किया जाना आवश्यक है। एनओसी मिलने के बाद भूमि को जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण पौड़ी के पक्ष में हस्तांतरित किए जाने की कार्यवाही प्रस्तावित है। इसके पश्चात निर्माण से जुड़ी आगामी प्रक्रियाएं आगे बढ़ाई जा सकेंगी।

मां धारी देवी मंदिर उत्तराखंड के प्रमुख धार्मिक आस्था केंद्रों में शामिल है। यहां वर्षभर श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहता है, जबकि चारधाम यात्रा और धार्मिक पर्वों के दौरान वाहनों की संख्या में और वृद्धि हो जाती है। ऐसे में प्रस्तावित पार्किंग से श्रद्धालुओं को व्यवस्थित वाहन पार्किंग की सुविधा मिलेगी। साथ ही सड़क किनारे वाहनों की अनियोजित पार्किंग से उत्पन्न होने वाली यातायात संबंधी समस्याओं को कम करने में भी सहायता मिलेगी। राज्य सरकार का उद्देश्य धार्मिक पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर श्रद्धालुओं की यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाना है। मां धारी देवी मंदिर के समीप प्रस्तावित यह पार्किंग इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे भविष्य में मंदिर क्षेत्र की यातायात व्यवस्था बेहतर होने के साथ धार्मिक पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

मॉर्निंग वॉक पर निकली बुजुर्ग महिला को टक्कर मार वाहन चालक फरार

देहरादून (ब्यूरो)। बीते शुक्रवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली एक बुजुर्ग महिला को हरिद्वार रोड पर टक्कर मारकर वाहन चालक फरार हो गया। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनके दोनों पैरों की हड्डियां टूट गईं।

पुलिस ने पीड़िता के बेटे की तहरीर पर शनिवार को अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर नेहरू कॉलोनी देवेंद्र चौहान ने बताया कि विष्णु विहार, अजबपुर कलां निवासी अंकित पंवार ने तहरीर दी। उन्होंने बताया कि उनकी माता सरोजनी पंवार बीते 13 नवंबर की सुबह करीब सात बजे घर से मॉर्निंग वॉक के लिए बाहर गई थीं। लगभग 7:15 बजे जब वह रिस्पना पुल के पास मैत्री विहार प्रवेश गेट के नजदीक पहुंचीं तभी एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद महिला को पास के अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद बताया कि उनके दोनों पैरों की हड्डियां टूट चुकी हैं और उनका ऑपरेशन होगा। अंकित की तहरीर पर नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने अज्ञता वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इनामुल्ला बिल्डिंग के समीप संडे बाजार का विरोध

देहरादून (ब्यूरो)। महानगर कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ के व्यापारियों ने इनामुल्ला बिल्डिंग के अंदर एक प्लॉट में संडे बाजार लगाने का विरोध किया है। प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुनील कुमार बांगा ने कहा कि रेंजर ग्राउंड से संडे बाजार हटाने के बाद इसे आईएसबीटी शिफ्ट किया गया था। इससे शहर में जाम की समस्या कम हुई थी। अब शहर के बीचोंबीच बाजार लगाने से तहसील चौक और डिस्पेंसरी रोड पर जाम लग रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बाहर से आए लोगों को बिना सत्यापन दुकानें लगाने की अनुमति दी जा रही है। विरोध करने वालों में सुरेश गुप्ता, राम कपूर, अजीत सिंह आदि शामिल रहे।

मसूरी विधानसभा क्षेत्र के दून विहार वार्ड में 268.31 लाख के विकास कार्यों का कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने किया शिलान्यास



देहरादून (ब्यूरो)। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत दून विहार वार्ड में 268.31 लाख की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में सड़क, जल निकासी, सामुदायिक भवनों सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा और स्थानीय निवासियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मसूरी विधानसभा क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है। क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली और सामुदायिक सुविधाओं से जुड़े इन कार्यों के पूरा होने से स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र का आधारभूत ढांचा और अधिक सुदृढ़ होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि विकास योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे और इस दिशा में प्रदेश सरकार लगातार प्रयासरत है। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को भी निर्माण कार्य समयबद्धता के साथ पूर्ण करने और निर्माण की गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सभी को छठ पर्व भी बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। इन विकास कार्यों में मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) के माध्यम से 135.79 लाख की लागत से छह कार्य कराए जाएंगे। इनमें दून विहार सामुदायिक भवन की छत पर 18.05 लाख की लागत से टिन शेड निर्माण, बापूनगर (वार्ड संख्या-06) में 20 लाख की लागत से सामुदायिक भवन एवं टिन शेड निर्माण, आर.आर. अग्रवाल एनक्लेव (लेन संख्या-02) में 17.10 लाख की लागत से नाली निर्माण, इंदर बाबा मार्ग (लेन संख्या-03) में 37.94 लाख की लागत से नई सड़क निर्माण, ईस्ट वेस्ट कॉलोनी जाखन में 30.88 लाख की लागत से सड़क निर्माण तथा इंजीनियर्स एनक्लेव, राजपुर रोड में 11.82 लाख की लागत से सड़क निर्माण कार्य शामिल हैं। वही लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) के माध्यम से राज्य योजना के अंतर्गत 132.52 लाख की लागत से दून विहार के आंतरिक मार्गों के सुधारीकरण का द्वितीय चरण का कार्य कराया जाएगा। इस दौरान जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष मंजीत रावत, मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, पार्षद मीनाक्षी नौटियाल, महानगर उपाध्यक्ष ओम कक्कड़, वसहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में गौकश के पैर में लगी गोली

देहरादून (ब्यूरो)। प्रेमनगर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात ठाकुरपुर रोड टी-स्टेट के पास पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में गौकशी का एक शातिर आरोपी पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। वहीं, उसका दूसरा साथी रात के अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। घायल बदमाश को पुलिस ने उपचार के लिए प्रेमनगर अस्पताल में भर्ती कराया है।

एसपी सिटी शेखर सुयाल ने बताया पुलिस टीम देर रात ठाकुरपुर रोड पर टी-स्टेट के पास चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान एक पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो रुकने के बजाय पुलिस को पिस्तौल दिखाकर तेजी से भागने लगे।पुलिस टीम ने उनका पीछा किया। दरू चौक से मीठीबेरी की तरफ टी-स्टेट के सुनसान इलाके में खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर सीधे फायरिंग कर दी।पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वह बाइक समेत गिर पड़ा। वहीं, दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर जंगलों की ओर भाग निकला। पुलिस ने घायल बदमाश को दबोच लिया। जिसकी पहचान 32 वर्षीय इरशाद पुत्र मोहम्मद जमशेद निवासी खजुनावर, थाना फतेहपुर, जिला सहारनपुर, यूपी के रूप में हुई है। फरार बदमाश का नाम शमीम निवासी गंदेबड़ा, फतेहपुर, सहारनपुर बताया जा रहा है, जिसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें इलाके में सघन कॉम्बिंग कर रही हैं। घायल बदमाश ने प्राथमिक पूछताछ में कुबूल किया है कि इसी महीने प्रेमनगर क्षेत्र के टी-स्टेट और बिधौली रोड पर हुई गौकशी की वारदातों को उन्होंने ही अंजाम दिया था। मौके से पुलिस ने एक 315 बोर का तमंचा, एक खोखा कारतूस, घटना में प्रयुक्त पल्सर बाइक के साथ-साथ गौकशी में इस्तेमाल होने वाली एक कुल्हाड़ी, दो छुरी और एक रस्सी बरामद की है। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही पुलिस के उच्चाधिकारियों ने भी घटनास्थल और चिकित्सालय पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

स्वामी, प्रकाशक व सम्पादक दीपक कुमार सहगल द्वारा मुद्रक रजत शर्मा, अभिप्रेरणा प्रिन्टर्स, पो.ऑ. बंजारावाला, कारगी, देहरादून, उत्तराखण्ड-248001 से मुद्रित कराकर 9/21 मोहित विहार, गुरूद्वारे के पीछे जी.एम.एस रोड़, कांवली रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड-248001 से प्रकाशित।
सम्पादकः- दीपक कुमार सहगल
मो.- 8755065050
E-MAIL ID : sehgal.deepak1@gmail.com
नोटः- सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।